Regarding soil erosion in Balaghat

श्रीमती भारती पारधी **(**बालाघाट**) :** महोदया, धन्यवाद ।

मैं आज अपने संसदीय क्षेत्र बालाघाट सिवनी से जुड़ी एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील समस्या को इस सदन में प्रस्तुत करना चाहती हूँ । जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, पर्यावरण और लोक आस्था से संबंधित है । यह विषय वैनगंगा नदी पर स्थित घाटों से जुड़ा हुआ है । जिसमें प्रमुख रूप से बजरंग घाट, शंकर घाट, महामृत्युंजय घाट, जिसे जागपुर घाट भी कहा जाता है, जो बालाघाट जिले में स्थित हैं । इन घाटों के आसपास सघन वन क्षेत्र है और यह क्षेत्र पूजा-अर्चना और भ्रमण के लिए लोगों के आकर्षण का प्रमुख केन्द्र बन चुका है । हालाँकि दुर्भाग्यवश बाढ़ के कारण इन घाटों की मिट्टी का कटाव हो रहा है, जिससे वन संपदा को अत्यधिक नुकसान हो रहा है और इस कारण से यहाँ की आस्थाएँ भी संकट में हैं । यदि यही स्थिति रही तो बजरंग घाट मंदिर के ढहने का गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है । इसीलिए इस समस्या का समाधान पक्के घाटों के निर्माण में निहित है । इससे न केवल लोगों को पूजा और आरती में सुविधा मिलेगी, बल्कि नगर वन का सौंदर्य होगा और वनों को भू-अपरदन से बचाया जा सकता है ।

मैं इस सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करती हूँ कि इस मुद्दे पर शीघ्र ध्यान दिया जाए और त्वरित कार्रवाई की जाए । धन्यवाद ।

16.16 hrs

At this stage, Shri Rajkumar Roat, Adv. Chandra Shekhar and Shri Hanuman Beniwal went back to their seats.